Reshma Barman

GOVT. SWAMI VIVEKANAND COLLEGE BODLA

Dist. - Kabirdham (C.G.)

Vidhya Dadati Vinayam

Session Year - 2022-23

Assignment

on

Subject : chemistry

Unit : 5

26/11/22

Guided By

....

....

Submitted By

Name : Reshma Barman

Class : B.SC. II

INDEX

	Questions	Page no-
	assignment (a)	
(1.)	अम्ल क्षार क्या है? आहिरनियम की संकल्पना को समझाइएँ?	1-2
(2)	ब्रान्सटेन तथा लॉरी के सिद्धांत को लिखिए?	3-5
(3.)	लक्स-फ्लट धारणा को समझाइए?	6-7
(4.)	इलेक्ट्रॉन युग्म दाता ग्राही तंत्र के आधार पर लुईस धारणा को समझाइए?	8-10
	assignment (b)	
(1.)	प्रोटोनिक अप्रोटोनिक एवं उभय प्रोटीक विलायक क्या है? उदाहरण दीजिए?	11-
(2.)	निर्जल विलायक क्या है? निर्जलविलायकों का वर्गीकरण कीजिए तथा विशेषताएँ लिखिए?	12-14
(3.)	निर्जल विलायक क्या होता है द्रव अमोनिया में होने वाले विभिन्न रसायनिक अभिक्रियाओं का वर्णन कीजिए?	15-19
(4.)	द्रव अमोनिया अध्रुवीय यौगिकों के लिए अच्छा विलायक है उदाहरण द्वारा समझाइए?	

ANSWER NO - 01

Topic - Acid and Bases

अम्ल → ऐसे पदार्थ जो जल में घुलकर हाइड्रोजन आयन (H^+) देते हैं अम्ल कहलाते हैं अम्ल नीले लिटमस पत्र को लाल कर देते हैं तथा ये स्वाद में खट्टे होते हैं अम्लों का pH मान 7.0 से कम होता है।

क्षार → ऐसे पदार्थ जिसे जल में घोलने से जल का pH मान लिटमस 7.0 से अधिक हो जाता है क्षार कहलाता है क्षार लाल लिटमस पेपर नीला कर देते हैं तथा ये स्वाद में कड़वे होते हैं।

⇒ **आर्हीनियस धारणा →** इस धारणा के अनुसार, अम्ल वे हाइड्रोजन परमाणु के पदार्थ हैं जो जल में विलेय होकर हाइड्रोजन आयन (H^+) देते हैं तथा क्षारक वे पदार्थ हैं, जो जल में विलेय होकर हाइड्रॉक्सिल (OH^-) आयन कहलाते हैं।

उदाहरण :- HCl एक अम्ल तथा NaOH एक क्षारक है।

$$HCl \xrightleftharpoons{H_2O} H^+ + Cl^-$$

$$NaOH \xrightleftharpoons{H_2O} Na + OH^-$$

अम्ल तथा क्षारक परस्पर क्रिया करके लवण तथा जल बनाते हैं, इसे उदासीनीकरण की क्रिया कहते हैं तथा इस क्रिया में उत्सर्जित ऊष्मा को उदासीनीकरण की ऊष्मा कहते हैं।

$$H^+ + OH^- \longrightarrow H_2O$$

$$HCl + NaOH \longrightarrow NaCl + H_2O$$

उपयोगिता → i) इस धारणा से उदासीनीकरण की ऊष्मा ज्ञात की जा सकती है।

ii) अम्लों के उत्प्रेरकीय गुणों को समझाया जा सकता है।

अर्थात अम्ल तथा क्षारको की यह धारणा केवल जलीय विलयन पर ही लागू होती है अन्य विलायको पर या विलायको की अनुपस्थित पर लागू नही होती है।

उदाहरणार्थ - NH_4NO_3 द्रव अमोनिया में विलेय होकर अम्लीय गुण प्रदर्शित करता है किन्तु H^+ आयन नही देते है।

(ii) इस धारणा से $AlCl_3$, $FeCl_3$ जैसे कुछ लवणो के जलीय विलयन में अम्लीय गुण की व्याख्या नही की जा सकती है।

(iii) इस सिद्धांत से उन पदार्थों के क्षारीय गुणो को नही समझाया जा सकता है, जो OH^- आयन नही बनाते है।

AN
TOPI

ब्रॉन्स्टेड - लॉरी सिद्धान्त

अनुसार " वे हाइड्रोजन जो किसी अन्य पदार्थ अम्ल (Acid) कहलाते न्यूणायन को जो किसी कर सकते है। क्षा अम्ल प्रोटॉन दाता (Do होता है।

इस परिभाषा वर्गीकृत किये जाते है

ब्रॉन्स्टेड अम्ल

अणुक (Molecular)
जैसे - $HCl \rightleftharpoons H^+$

कैटायनिक (Cationic)
जैसे - $[Al(H_2O)_6]^{3+}$
$+ [Al(H_2O)_5$

ऐनायनिक (Anionic)
जैसे - $HCO_3^- \rightleftharpoons H^+$

संयुग्मित अम्ल - क्षारक

उसके शेष भाग में उत्पन्न हो जाती है। करने लगता है तथा

अम्ल
HC

PROJECT

on

नाम - दुर्गेश्वरी निषाद

कक्षा - एम कॉम प्रथम सेमेस्टर

विषय आयकर

Year 2023-24

Guided by

योगेश ध्रुव

Submitted by

दुर्गेश्वरी निषाद

Topic: आयकर Date: Page: 01

(1) हानियों की पूर्ति और उन्हें आगे ले जाना
रूपरेखा

① हानियों की पूर्ति

② हानियों की पूर्ति से संबंधित प्रावधान
① मकान सम्पत्ति से हानि।
② सामान्य व्यापार की हानि।
③ सट्टे के व्यापार से हानि की पूर्ति
④ पूर्ति हानि की पूर्ति
⑤ घुड़दौड़ के घोड़ों के स्वामित्व तथा रख रखाव की क्रिया से होने वाली हानि की पूर्ति
⑥ साझेदारी फर्म की हानि
(2) हानियों की पूर्ति के लिए आगे ले जाने के लिए प्रावधान

① पूंजी हानि
② फर्म के संगठन में परिवर्तन
③ व्यापार अथवा पेशे का स्वामित्व बदलने पर
④ हानियाँ
हानियों की पूर्ति तथा आगे ले जाने का नियम

⑤ हानियों की पूर्ति एवं आगे ले जाने से सम्बंधित क्रियात्मक उदाहरण।

① हानियों की पूर्ति से आशय –

जब करदाता को किसी शीर्षक से लाभ तथा किसी शीर्षक से हानि हुई हो तो ऐसी हानियों की पूर्ति को विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत हानियों की पूर्ति कहते है।

② हानियों की पूर्ति से संबंधित प्रावधान –

गतवर्ष में किसी स्रोत या शीर्षक से कोई हानि होती है तो उसकी पूर्ति निम्न प्रावधानों के अधीन की जा सकती है:–

① मकान सम्पत्ति से हानि :–

किराये पर दिये गये मकान सम्पत्ति की हानि या स्वयं के आवास हेतु मकान के ऋण के ब्याज की कटौती के कारण उत्पन्न हानि पूर्ति सर्वप्रथम अन्य मकान सम्पत्तियों की आय की जायेगी।

② सामान्य व्यापार की हानि –

सामान्य व्यापार से आशय सट्टे के व्यापार को छोड़कर शेष सभी प्रकार के

व्यापारों से है। सामान्य व्यापार की हानि की पूर्ति किसी अन्य व्यापार या पेशे की आय से अथवा मकान संपत्ति की आय से अथवा पूँजी लाभों से अथवा अन्य साधनों की आय से पूरी की जा सकती है।

③ सट्टे के व्यापार से हानि की पूर्ति –

एक सट्टे के व्यापार की हानि की पूर्ति दूसरे सट्टे के व्यापार के लाभ से पूरी की जा सकती है. लेकिन सट्टे के व्यापार की हानि किसी अन्य शीर्षक से या व्यापार के लाभ से पूरी नहीं की जा सकती है।

④ पूँजी हानि की पूर्ति –

पूँजी हानि की पूर्ति अन्य पूँजी लाभ चाहे अल्पकालीन हो या दीर्घकालीन से ही जाएगी यदि फिर भी पूरी पूर्ति न हो तो शेष राशि की पूर्ति अन्य शीर्षक की आय से नहीं की जा सकती है।

⑤ घुड़दौड़ के घोड़ों के स्वामित्व तथा रख रखाव की क्रिया से होने वाली हानि की पूर्ति –

Topic .... Date........ Page..04.....

घुड़दौड़ के घोड़ों के स्वामित्व तथा रख रखाव की क्रिया से होने वाली हानि की पूर्ति केवल घोड़ो के स्वामित्व तथा रख-रखाव की क्रिया से होने वाली आय से ही की जा सकती है।

⑥ साझेदारी फर्म की हानि —

साझेदारी फर्म की अपनी हानि की पूर्ति स्वंय ही कर सकती है लेकिन साझेदार अपने हिस्से की हानि अपने निजी व्यक्तिगत आय से पूरी नही कर सकते है क्योंकि फर्म से साझेदारो को लाभ मे प्राप्त होने वाला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत आय मे शामिल नही किया जाता है।

हानियो को आगे ले जाना

हानियो को आगे ले जाने से आशय यह है कि जब गतवर्ष मे हुई हानि की पूर्ति करदाता की अन्य किसी आय से पूरी न हो सके तो ऐसी हानि को आगे ले जाकर भविष्य मे होने वाली विभिन्न शीर्षको की आय से पूरी करने हेतु आगे ले जाने से है।